Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के संदर्भ में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता" विषय पर व्याख्यान

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-08-2022**

भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के लिए तकनीक की आवश्यकता : प्रो. टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की विश्वविद्यालय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष प्रो. गिरीश नाथ झा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में भारतीय भाषाओं के लिए तकनीकी विकसित करने एवं भारतीय ज्ञान विज्ञान के भारतीय भाषाओं के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन के लिए तकनीकी की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय में भाषाओं के विभागों द्वारा विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त कर शोध एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया। प्रो. गिरीश नाथ झा ने अपने व्याख्यान में एनईपी 2020 की बारीकियों एवं उसमें भारतीय भाषाओं, प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के प्रोत्साहन हेतु वर्णित बिंदुओं को रेखांकित करते हुए भारतीय भाषाओं में हो रहे तकनीकी विकास से संबंधित प्रयासों, उनके महत्त्व एवं संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के भाषाई विविधता में एकरूपता लाने हेतु संस्कृत के महत्त्व एवं भाषाओं के तकनीकी सशक्तिकरण पर हो रहे कार्यों, उनके द्वारा किए तैयार किए गए तकनीकी उपकरणों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डा. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डा. सूरज आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आयोजक मंडल के डा. मनीष कुमार सिंह, डा. दिव्या शर्मा, डा. शरन प्रसाद, डा. शांतेश कुमार सिंह, शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

प्रो. गिरीशनाथ झा को स्मृति चिन्ह भेंट करते हकेंवि के प्रो. टंकेश्वर कुमार दाए ● सौ. प्रवक्ता

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-08-2022**

हकेंवि में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता पर करवाया व्याख्यान

महेंद्रगढ़, 24 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की विश्वविद्यालय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन करवाया गया।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में अध्यक्षीय उद्बोधन देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष प्रो. गिरीश नाथ झा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में भारतीय भाषाओं के लिए तकनीकी विकसित करने एवं भारतीय ज्ञान विज्ञान के भारतीय भाषाओं के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन हेतु तकनीकी की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय में भाषाओं के विभागों द्वारा विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त कर शोध एवं नवाचार हेतु प्रेरित किया।

इससे पूर्व इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रो. गिरीश नाथ झा, प्रो. टंकेश्वर कुमार, हकेंवि शैक्षिक संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सह आचार्य डॉ. सुभाष चंद्रा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. गिरीश नाथ झा ने अपने व्याख्यान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बारीकियों एवं उसमें भारतीय भाषाओं, प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के प्रोत्साहन हेतु वर्णित बिंदुओं को रेखांकित करते हुए भारतीय भाषाओं में हो रहे तकनीकी विकास से संबंधित प्रयासों, उनके महत्व एवं संभावनाओं पर चर्चा की।

प्रो. गिरीश नाथ झा ने आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस, नैचुरल लैंग्वेज प्रोसैसिंग, लैंग्वेज कम्प्यूटिंग इत्यादि विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संस्कृत के संगणकीय महत्व, प्राचीन भारतीय व्याकरणों पाणिनी, पतंजलि के भाषा संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों की वर्तमान समय में संगणकीय प्रासंगिकता को उद्घाटित किया।

उन्होंने भारत के भाषाई विविधता में एकरूपता लाने हेतु संस्कृत के महत्व एवं भाषाओं के तकनीकी सशक्तिकरण पर हो रहे कार्यों, उनके द्वारा किए तैयार किए गए तकनीकी उपकरणों बारे विचार व्यक्त किए।

मंच संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. सूरज आर्य द्वारा प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयोजक मंडल के डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. शरण प्रसाद, डॉ. शांतेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-08-2022**

भाषाओं की तकनीकी समृद्धता पर व्याख्यान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) की विवि इकाई द्वारा बुधवार को आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के संदर्भ में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष प्रो. गिरीश नाथ झा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में भारतीय भाषाओं के लिए तकनीक विकसित करने एवं भारतीय ज्ञान विज्ञान के भारतीय भाषाओं के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन हेतु तकनीकी की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय में भाषाओं के विभागों द्वारा विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त कर शोध एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया। प्रो. गिरीश नाथ झा ने एनईपी 2020 की बारीकियों के बारे में बताया। इस मौके पर प्रो. गिरीश नाथ झा, प्रो. टंकेश्वर कुमार, डॉ. मनोज कुमार सिंह रहे। मंच संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत ने किया। संवाद